पाठ 8 - चंद्रगहना से लौटती बेर

कवि - केदारनाथ अग्रवाल

चंद्रगहना - गाँव का नाम

बीते के बराबर - छोटा,नाटा मुरैना पगड़ी

अलसी - एक तिलहन का पौधा

हठीली - जिद्दी

सयानी होना - समझदार होना, युवती होना, चतुर होना

हाथ पीले होना - विवाह होना

फाग - होली के मौसम में गाया जाने वाला लोकगीत

स्वयंवर - विवाह की वह प्रथा जिसमें युवती स्वयं अपना वर चुनती है

अनुराग - स्नेह, प्रेम

अंचल - आंचल

विजन - निर्जन

पोखर - छोटा तालाब

लहरियाँ - पानी में उठने वाली छोटी-छोटी लहरें

नील तल - नीले रंग की सतह

चाँदी का बड़ा सा गोल खंभा - पानी में चंद्रमा की परछाई या प्रतिबिंब

चकमकाता - चौंधियाता, चकाचौंध पैदा करता

श्वेत - सफेद, उजला

चतुर - चालाक

गगन - आकाश, आसमान